www.sgbauonline.com

(ड) वैश्वीकरण एवं श्रम विपणी में संबंध स्पष्ट कीजिये।

अथवा

(इ) श्रम कल्याण के प्रमुख तत्वों को स्पष्ट कीजिये।

(फ) भारत के स्त्री कामगारों की समस्याएं स्पष्ट कीजिये।

(ग) श्रम विपणी के प्रमुख सुधार विशद कीजिये।

(ह) द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग की सिफारिशें स्पष्ट कीजिये।

AQ–402

M.A. (Part—II) Examination

Group—B

ECONOMICS

Paper—III

(Labour Economics)

Time—Three Hours] [Maximum Marks—100

Note :— (1) Attempt all **FIVE** questions.

(2) All questions carry equal marks.

1. (a) Explain the concept and nature of Labour Market in India.

(b) Explain the Labour Market policies in India.

(c) Explain the types of Labour.

(d) Explain the need of Employment Exchange Office in India.

OR

(e) Explain the factors determined labour supply.

(f) Explain the mobility and productivity of labour.

(g) Explain the different methods of labour recruitment.

(h) Explain the important functions of Employment Exchange Office in India.

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

2. Explain the causes and various types of unemployment in India.

OR

Explain the impact of rationalization, technological changes and modernization on employment in organized private sector.

3. (a) Explain the 'Bargaining theory of wage determination'.

(b) Explain the concept of living wage.

(c) Explain the concept of 'Bonus'.

(d) Explain the objectives of National Wage Policy in India.

OR

(e) Explain the Neo-classical theory of wage determination.

(f) How wages are determined in unorganized sector ?

(g) Explain the relationship between productivity and wage.

(h) Explain the advantages of Profit Sharing Scheme.

4. Explain the growth, pattern and structure of Labour Unions in India.

OR

3. (अ) 'वेतन निर्धारण का सामूहिक सौदाशक्ति (Bargaining) सिद्धांत' स्पष्ट कीजिये।

(ब) जीवन निर्वाह मज़दूरी की संकल्पना स्पष्ट कीजिये।

(क) 'बोनस' की संकल्पना स्पष्ट कीजिये।

(ड) भारत में राष्ट्रीय मज़दूरी धोरण के उद्देश्य स्पष्ट कीजिये।

अथवा

(इ) वेतन निश्चिती का नव-परंपरागत सिद्धांत स्पष्ट कीजिये।

(फ) असंघटित क्षेत्र में वेतन कैसे निर्धारित होता है ?

(ग) उत्पादकता एवं वेतन इनका संबंध स्पष्ट कीजिये।

(ह) लाभ में सहभाग योजना के लाभ स्पष्ट कीजिये।

4. भारत में श्रम संघ की वृद्धि, आकृतिबंध एवं संरचना स्पष्ट कीजिये।

अथवा

भारत में औद्योगिक संघर्ष के कौनसे परिणाम हुये हैं ? भारत में औद्योगिक संघर्ष सुलझाने एवं प्रतिबंध की यंत्रणा की चर्चा कीजिये।

5. (अ) सामाजिक सुरक्षा के स्वरूप एवं व्याप्ति विशद कीजिये।

(ब) बाल श्रमिकों की समस्याएं स्पष्ट कीजिये।

(क) गमन (Exit) नीति के परिणाम कौनसे हैं ?

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :—(1) सभी पाँच प्रश्न हल कीजिये।

(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. (अ) भारतीय श्रम विपणी की संकल्पना एवं स्वरूप स्पष्ट कीजिये।

(ब) भारत में श्रम विपणी धोरण स्पष्ट कीजिये।

(क) श्रम के प्रकार स्पष्ट कीजिये।

(ड) भारत में सेवायोजन कार्यालय की आवश्यकता स्पष्ट कीजिये।

अथवा

(इ) श्रम पुरवठा निर्धारित करने वाले कारक स्पष्ट कीजिये।

(फ) श्रमिकों की गतिक्षमता एवं उत्पादकता स्पष्ट कीजिये।

(ग) श्रमिक नियुक्ति की विभिन्न प्रणाली स्पष्ट कीजिये।

(ह) भारत में सेवायोजन कार्यालय के महत्वपूर्ण कार्यों को स्पष्ट कीजिये।

2. भारत में बेरोजगारी के कारण एवं विभिन्न प्रकार स्पष्ट कीजिये।

अथवा

अभिनवीकरण, तकनीकी परिवर्तन और आधुनिकीकरण का संघटित निजी क्षेत्र के रोजगार पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ा है ?

What are the consequences of industrial disputes in India ? Discuss the mechanism for settlement and prevention of industrial disputes in India.

5. (a) State the nature and scope of social security.

(b) Explain the problems of child labour.

(c) What are the effects of exit policy ?

(d) Explain the relationship between globalization and labour markets.

OR

(e) Explain the main principles of labour welfare.

(f) Explain the problems of women labour in India.

(g) Explain the important labour market reforms.

(h) Explain the recommendations of the Second National Commission on Labour.

(मराठी माध्यम)

सूचना :—(1) सर्व पाचही प्रश्न सोडवा.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. (अ) भारतीय श्रम विपणीची संकल्पना व स्वरूप स्पष्ट करा.

(ब) भारतातील श्रम विपणी धोरण स्पष्ट करा.

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(क) श्रमाचे प्रकार स्पष्ट करा.

(ड) भारतात सेवायोजन कार्यालयाची आवश्यकता स्पष्ट करा.

किंवा

(इ) श्रम पुरवठा निर्धारीत करणारे घटक स्पष्ट करा.

(फ) श्रमिकाची गतिक्षमता व उत्पादकता स्पष्ट करा.

(ग) श्रमिकांच्या भरतीच्या विविध पद्धती स्पष्ट करा.

(ह) भारतातील सेवायोजन कार्यालयाची महत्वाची कार्ये स्पष्ट करा.

2. भारतातील बेकारीची कारणे व विविध प्रकार स्पष्ट करा.

किंवा

विवेकीकरणाचा, तांत्रिक बदलाचा आणि आधुनिकीकरणाचा संघटित खाजगी क्षेत्रातील रोजगारावरील प्रभाव स्पष्ट करा.

3. (अ) 'वेतन निर्धारणाचा सामुहीक सौदाशक्ती सिद्धांत' स्पष्ट करा.

(ब) जीवन निर्वाह मजुरीची संकल्पना स्पष्ट करा.

(क) 'बोनस' ची संकल्पना स्पष्ट करा.

(ड) भारतातील राष्ट्रीय मजुरी धोरणाची उद्दिष्टे स्पष्ट करा.

किंवा

(इ) वेतन निर्धारणाचा नव-परंपरागत सिद्धांत स्पष्ट करा.

(फ) असंघटित क्षेत्रात वेतन कसे निर्धारीत होते ?

(ग) उत्पादकता आणि वेतन यामधील संबंध स्पष्ट करा.

(ह) नफ्यातील सहभाग योजनेचे फायदे स्पष्ट करा.

4. भारतातील श्रम संघाची वृद्धी, आकृतीबंध आणि रचना स्पष्ट करा.

किंवा

भारतातील औद्योगिक कलहाचे परिणाम कोणते आहेत ? भारतातील औद्योगिक कलह सोडविण्याच्या आणि प्रतिबंधाच्या यंत्रणेची चर्चा करा.

5. (अ) सामाजिक सुरक्षिततेचे स्वरूप आणि व्याप्ती स्पष्ट करा.

(ब) बाल श्रमीकांच्या समस्या स्पष्ट करा.

(क) गमन (Exit) धोरणाचे परिणाम कोणते आहेत ?

(ड) जागतिकीकरण आणि श्रम विपणी यातील संबंध स्पष्ट करा.

किंवा

(इ) श्रम कल्याणाची प्रमुख तत्वे स्पष्ट करा.

(फ) भारतातील स्त्री मजुराच्या समस्या स्पष्ट करा.

(ग) श्रम विपणीतील प्रमुख सुधारणा स्पष्ट करा.

(ह) द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोगाच्या शिफारशी स्पष्ट करा.

www.sgbauonline.com